



राष्ट्रपति अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण-2017 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करेंगे

Posted On: 02 DEC 2017 3:29PM by PIB Delhi

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद 3 दिसंबर 2017 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर व्यक्तिगत रूप से, संस्थाओं, संगठनों, राज्यों/जिलों आदि के द्वारा दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्यों और उपलब्धियों के लिए नई दिल्ली के विज्ञान भवन में "दिव्यांगजन सशक्तीकरण-2017 के राष्ट्रीय पुरस्कार" प्रदान करेंगे। यह समारोह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री थावरचंद गहलोत, सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर, श्री विजय सांपला और श्री रामदास आठवले भी उपस्थित होंगे।

3 दिसंबर 2017 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण की दिशा में व्यक्तियों, संस्थाओं, संगठनों, राज्यों/जिलों की उत्कृष्ट उपलब्धियों और कार्यों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करता है।

राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण 14 प्रमुख श्रेणियों में किया जाएगा, जिनका विवरण इस प्रकार से है: -

1. सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी/ सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता
2. (ए) सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता (बी) सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी
3. (ए) सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति और (बी) दिव्यांगजनों के लिए कार्य करने वाली सर्वश्रेष्ठ संस्था
4. प्रेरणास्रोत
5. दिव्यांगजनों के जीवन स्तर में सुधार के उद्देश्य से सर्वश्रेष्ठ प्रायोगिक अनुसंधान या उत्पाद विकास
6. दिव्यांगजनों के लिए बाधा रहित वातावरण के निर्माण में उत्कृष्ट कार्य
7. पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने में सर्वश्रेष्ठ जिला
8. राष्ट्रीय दिव्यांगजन संघ विकास निगम की सर्वश्रेष्ठ राज्य चैनलाईजिंग एजेंसी
9. उत्कृष्ट रचनात्मक प्रौढ़ दिव्यांगजन
10. सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक बाल दिव्यांगजन
11. सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस
12. सर्वश्रेष्ठ "पहुँच योग्य" वेबसाइट
13. दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण को बढ़ावा देने वाला सर्वश्रेष्ठ राज्य, तथा
14. सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन खिलाड़ी

2011 की जनगणना के अनुसार, हमारे देश में दिव्यांगजों की संख्या 2.68 करोड़ हैं। दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए योजनाओं और कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत एक नये विभाग का शुभारंभ वर्ष 2012 में किया गया। दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए कई नई योजनाएं और कार्यक्रमों की भी शुरुआत की गई है। साथ ही विभाग के लिए वित्तीय परिव्यय में भी हर वर्ष बढ़ोत्तरी हो रही है। विभाग की मौजूदा योजनाओं की समीक्षा करते हुए इनमें कई संशोधन भी किए गए हैं। दो प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत ऑन-लाइन आवेदन प्राप्त करना इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम इस पर आगे की कार्यवाही और कोषों की स्वीकृत की जाती है।

नेशनल अवार्ड्स का इतिहास 1969 से चला आ रहा है, जब भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजनों से संबंधित मुद्दों पर सार्वजनिक ध्यान केंद्रित करने और समाज में उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केवल दो श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाते थे। दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2013 में अधिसूचित किया गया। इसमें अब 14 व्यापक श्रेणियां के अंतर्गत व्यक्तियों और संस्थानों के लिए 58 पुरस्कार हैं। इस साल, विज्ञापन जुलाई, 2017 में जारी किया गया था और इसकी अंतिम तिथि 15 अगस्त 2017 रखी गई। हालांकि, अभ्यावेदन प्राप्त होने पर अंतिम तारीख 10 सितंबर तक बढ़ा दी गई थी। इस प्रयोजन के लिए 984 आवेदन प्राप्त किए गए थे, जिन्हें चार स्क्रीनिंग समितियों द्वारा चुना गया। राष्ट्रीय चयन समिति ने 10 नवंबर, और 16 नवंबर, 2017 को सूची को अंतिम रूप दिया। इस वर्ष, व्यक्तियों और संस्थानों के लिए 52 पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं। पुरस्कार में प्रत्येक के लिए एक प्रमाण पत्र, और कुछ श्रेणियों में पदक और नकदी धनराशि के रूप में 43.50 लाख रुपए शामिल हैं।

वीके/एसएस/सीएल-5407

(Release ID: 1511535) Visitor Counter : 83

